चीनी उत्पादन 42 फीसदी बढ़ा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

देश का चीनी उत्पादन चीनी सत्र 2017-18 में अक्तूबर से फरवरी की अवधि में 42 फीसदी बढ़कर 2.305 करोड़ टन रहा। उद्योग संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने यह जानकारी दी। संगठन ने अगले कुछ महीनों में 15 लाख टन चीनी के निर्यात की जरूरत पर जोर दिया है। चीनी सत्र 2016-17 में अक्तूबर-फरवरी की अवधि में चीनी का कुल उत्पादन 1.626 करोड़ टन रहा था। वहीं इस चीनी सत्र में कुल चीनी उत्पादन 2.03 करोड़ टन रहा था, जो पिछले 7-8 वर्षों का निम्न स्तर था। चीनी सत्र अक्तूबर से सितंबर के बीच होता है। चालू चीनी सत्र में

नीतिगत सरकारी हस्तक्षेप नहीं हुआ तो इस साल 40 रुपये प्रति किलो से नीचे बनी रह सकती है चीनी की कीमत

कथित तौर पर भारी मात्रा में चीनी उत्पादन तथा अगले (2018-19) चीनी सत्र में भी भारी मात्रा में चीनी उत्पादन की संभावना पर विचार करते हुए चालू चीनी सत्र में अगले 6-7 महीनों के दौरान कम से कम 15 लाख टन चीनी निर्यात करने की जरूरत है। बयान के मुताबिक, इससे चीनी मिलों को अतिरिक्त नकदी मिलेगी, जिससे किसानों को गन्ने के भुगतान में सुधार होगा और गन्ने की बकाया राशि घटेगी, जो लगातार बढ़कर असहज स्तर पर पहुंच गई है। इस्मा के मुताबिक, वर्तमान चीनी सत्र में गन्ने की भारी उपलब्धता के कारण फरवरी तक चीनी उत्पादन साल दर साल की तुलना में 67.8 लाख टन की बढ़ोतरी हुई है। ब्यूरो

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि.

निविदा विस्तारण सूचना-विशिष्टीकरण

"पंजीयन/नवीनी

सर्वसाधारण को सूचित कि

बुलन्दशहर के अन्तर्गत निर्माण कार्य